EHD-04 – मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : **EHD-04**
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : /EHD-04

प्रिय छात्र/छात्राओ!

इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है। i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक (100 का अधिभारित) निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथिः

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2026
जनवरी 2026 सत्र के लिए : 31 अक्तूबर 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। सैद्धान्तिक और व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्न।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्नों को करने के लिए इकाइयों को पढ़ने के साथ-साथ पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले फीचर लेखों का अध्ययन करें। इनसे आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य

(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : EHD-04
सत्रीय कार्य कोड : EHD-04/2025–26
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

(क) भक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 15

(ख) तमिल भक्ति काव्य के प्रमुख वैष्णव कवियों का परिचय दीजिए। 15

(ग) नामदेव के काव्य में अभिव्यक्त समाज पर चर्चा कीजिए। 15

(घ) शंकरदेव के काव्य के सामाजिक–सांस्कृतिक पक्ष पर विचार कीजिए। 15

(ड.) कश्मीरी भक्त कवयित्रि लल्लेश्वरी के रचना कर्म पर चर्चा कीजिए। 15

(च) तुलसी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। 15

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर 200 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। 5x2=10

क) तेलगु भक्ति साहित्य

ख) मराठी भक्ति साहित्य

ग) कबीरदास

घ) भारत में कृष्ण भक्ति साहित्य